भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †495

सोमवार, 6 फरवरी, 2023/17 माघ, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

महाबलेश्वर में पर्यटन का विकास

†495. श्री श्रीनिवास दादासाहेब पाटीलः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) महाराष्ट्र के सतारा जिले में महाबलेश्वर और पंचगनी की पर्यटन विकास योजना की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या वन विभाग ने महाबलेश्वर में पर्यटन विकसित करने की योजना तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सतारा के उस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए महाबलेश्वर को प्रतापगढ़ किले से रोपवे द्वारा जोड़ने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग) : पर्यटन का विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है तथापि पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है और इस योजना के तहत परियोजनाओं की स्वीकृति राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों के परामर्श से निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग आदि की शर्त पर दी जाती है । इस योजना के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय ने महाराष्ट्र राज्य में दो परियोजनाओं को स्वीकृति दी है जिनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(राशि करोड़ रु. में)

परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि
सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ का विकास - सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक), मितभाव	2015-16	19.06
वाकी-अदासा-धापेवाड़ा-परादसिंघा-तेलंखंडी-गिराड का विकास	2018-19	53.96

अब पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी एवं जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के लिए स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है और एसडी 2.0 के अंतर्गत विकास हेतु महाराष्ट्र में सिन्धुदुर्ग को चिह्नित किया है । वर्तमान में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत रोपवे द्वारा महाबलेश्वर को प्रतापगढ़ फोर्ट से जोड़ने सहित महाबलेश्वर और पंचगनी के विकास के लिए कोई प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है ।

*****